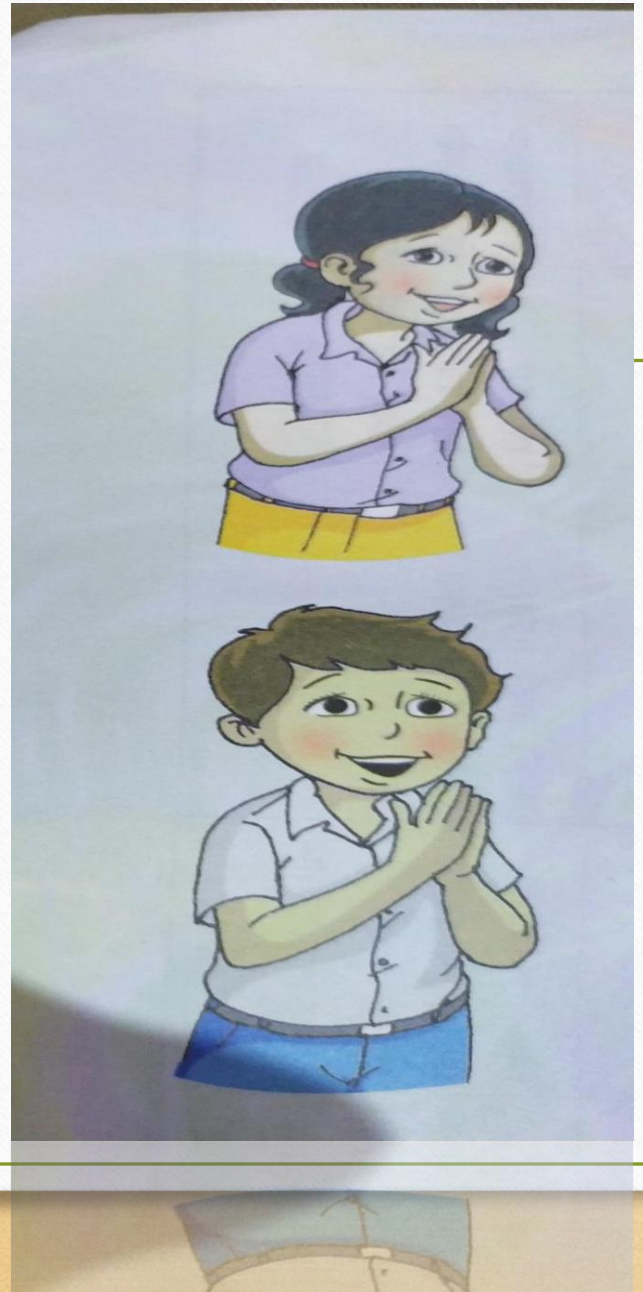

प्रार्थना

ॐ तेजोऽसि तेजो मयि धेहि ,
वियमसि वीर्यं मयि धेहि ,
बल मसि बलं मयि धेहि ,
ओजोअसि ओजो मयि धेहि|
ॐ तेजस्वि नावधीतमस्तु!

- अर्थ- हे प्रभु! आप तेजस्वी हैं, मुझे तेज दें ;शक्तिमान् है , मुझे शक्ति दें; स्वयं बल (स्वरूप) है, मुझे बल दें; प्रकाश (स्वरूप) है ; मुझे प्रकाश दें! हे प्रभु,आप हमे तेजस्वी बनाएँ|

ॐ भुभूर्वः स्वः |

तत्सवितुवरेण्यं

भर्गो देवस्य धीमहि

धियो यो नः प्रचोदयात् ||

ॐ भर् = प्राण प्रदाण करने वाला,, भवः = दुखों का नाश करने वाला] स्वः = सुख प्रदाण करने वाला] तत = वह] सवितुर = सूर्य की भांति उज्जवल] वरेण्यं = सबसे उत्तम]भर्गो = कर्मों का उद्धार करने वाला]देवस्य = प्रभु] धीमहि = ध्यान (आत्म चिंतन के योग्य)]धियो = बुद्धि] यो = जो]नः = हमारी]प्रचोदयात् = हमें शक्ति दें]

अर्थ

जो सभी को प्राण देता है, सभी दुखों को दूर करता है तथा नाना प्रकार के सुखो को देने वाला है, हम सब उस श्रेष्ठ, दीप्तिमान

देवता सर्य का ध्यान करें (जिससे) कि वह हमारी बुद्धि को प्रेरित करे |

- नमामि ईश्वरं पूर्वम तत
- श्रेष्ठान नमाम्यहम |
- काले करोमि कार्याणि,
- पठनं क्रीडनं तथा||

अर्थ

- मैं पहले ईश्वर को प्रणाम करता हूँ, फिर बुजुर्गों को प्रणाम करता हूँ| पढ़ना, लिखना आदि कार्य समय पर करता हूँ|

ॐ द्यौः शान्तिः अन्तरिक्ष शान्तिः
पृथ्वी शान्तिरापः शन्तिरौषधयः
शान्तिः वनस्पतयः शान्तिः
विश्वेदेवाः शान्तिः ब्रम्हा शान्तिः
सर्वम् शान्तिः। शान्तिरेव शान्तिः
सा मा शान्ति रेधि ॐ शान्तिः
शान्तिः शान्तिः ॐ॥

अर्थ

- द्यूलोक (सूर्य ,चन्द्र , तारे आदि) में शांति रहे,अंतरिक्ष में शांति हो ,पृथ्वी पर शान्ति रहे, औषधियों में शान्ति हो, वनस्पतियों में शान्ति रहे, विश्व के देवता (सभी जीवों)में शान्ति व्याप्त हो, ब्रह्मा शान्त रहें, सब कुछ शान्त हो।
  शान्ति ही (शक्ति रूपा) शान्ति है, (अतः) वह मुझे शान्ति प्रदान करें। (आधिभौतिक) शान्ति हो,(आध्यात्मिक) शान्ति प्राप्त हो,(आधिदैविक) शान्ति रहे।